



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1
PART III—Section 1

आधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 9] नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 22, 1987/ज्येष्ठ 1, 1909
No. 9] NEW DELHI, FRIDAY, MAY 22, 1987/JYAISTHA 1, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

वित्तीय सहायक आयकर आदेश (निराकरण)

अर्जेंट रैंक-7

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ख (1) के अधीन सूचना

नई दिल्ली, 7 मई, 1987

निर्देश सं. आई. ए. सी. /एफ-7/5/37 ईई/8-86/57:—

अतः मुझे, अशोक मनचंदा, आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम अधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक
है और जिसकी संख्या है तथा जो में
स्थित है (और इससे उत्पन्न आयसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 ख के अधीन वार्षिक
अगस्त 86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से

यह दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित-बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उसने वचने में सुविधा के लिए और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम

1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जाना चाहिए था, छिपने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269 द की उपधारा (1) के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. जी आई डी बिनिडरम प्रा. लिमि.

13/24 भारत नगर, न्यू फ्रेंड्स कालोनी, नई दिल्ली।
(अन्तररू)

2. खातू फाईनेंस एंड ट्रेडिंग कम्पनी लिमि.

337, कलाबा देवी रोड, दूसरा खंड,
बम्बई-400002 (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में पढ़ा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फोटो नं. यूजी-2-ए, 1, हनुमान रोड, कनाट प्लेस, नई दिल्ली
तारीख : 7-5-87

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-VII

Notices under Section 269 D(I) of the Income Tax
Act 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 7th May, 1987

Ref. No. LAC (Acq[VII|V|37-EE|8-86|57].—
Whereas I, Ashok K. Manchanda, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as

the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000/- and bearing No. Flat No. UG-2-A in building situated at 1 Hanuman Road, Connaught Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and *registered under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi *has been registered with the Competent Authority Us. 269 A B of the I.T Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in August, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) M/s. Gyd Building Private Limited
(Transferor)
13/24 B&C Bharat Nagar New Friends
Colony New Delhi.
- (2) M/s. Khatoo Finance & Trading Co. Ltd.
337 Kalbadevi Road (2nd floor) Bombay
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette;

SCHEDULE

Flat No. UG-2-A in Building situated at 1, Hanuman Road, Connaught Place, New Delhi-110001 Leashold. 786 Sq. ft. Under construction.

Dated : 7th May 1987.

Seal

*Strike off where not applicable.

नई दिल्ली, 7 मई, 1987

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू.-7/5/37ईई/8-86/55:-
अतः मुझे, प्रणोक मनचंदा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विषयाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है और जिसकी संख्या... है तथा जो प्रवीन अपार्टमेंट, मुजान सिंह पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाय अन्तर्गत में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ख के अधीन तारीख अगस्त 86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित-बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसा दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लप पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्न में वार्षिक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाधक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर को के अन्तरक क बाधित में कमी करने या उसको लपने में सुविधा के लिए और
- (ख) ऐसा किसी आय या किसी अन्य या अन्य अस्तित्वों के, निर्देश भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोग्यता अन्तरितों द्वारा पकड़ नहीं किया गया जाना चाहिए, या, डिपॉजिट में सुविधा के लिए.

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसार में, मैं इस अधिनियम की धारा 269 य को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री/श्रीमती श्री एन गोन्सालो और श्रीमति ईंदू गोन्सालो एत-18, पंचशील पार्क, नई दिल्ली । (अन्तरक)
2. श्री/श्रीमती आर. पी. विलोमोरिया और मिसस फोनी विलोमोरिया 10, लोदी एस्टेट, नई दिल्ली । (अन्तरितियाँ)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अयोग्यताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-हममें प्रयुक्त शब्दों और गदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रवीन गुप्त हाउसिंग स्कीम, मुजानसिंह पार्क '(माउय) तादादी 1800 वर्ग फीट, नई दिल्ली ।

तारीख : 7-5-87.

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. IAC (Acq)/VII/V/37-EE/8-86/55.—
Whereas I, Ashok K. Manchanda, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000/- and bearing No. Flat on first floor in proposed building situated at Praveen Apartments near Sujan Singh Park, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) *registered under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi *has been registered with the Competent Authority u/s 369 AB of the I.T.A ct. 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in August, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- (1) Shri B. N. Goswamy and Smt. Indu Goswamy N-19 Panchsheel Park, New Delhi, (Transferor)
- (2) Mr. R. P. Billimoria & Mrs Frenny Billimoria 10 Lodi Estate, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette;

SCHEDULE

Rights in Flat on first floor in proposed building at Praveen Apartments Near Sujan Singh Park, New Delhi, 1800 sq. ft. covered area not yet constructed.

Date : 7th May, 1987.

Seal

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं. आई.ए.जी./एक्यू./5/37ईई./8-86/57
ए :—अतः मुझे, ए. के. मन्वचन्दा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी संख्या है तथा जो यूजी-2-थी, हनुमान रोड जो कलाट प्लेस में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), *रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन *सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269कख के अधीन तारीख अगस्त 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम

दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित-बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. मैसर्स जी. वार्ड, बी. बिन्डर्स प्रा. लि.,
13/24 बी. एन्ड सी. भारा नगर न्यू फ्रेन्ड्स आर्कोनी,
नई दिल्ली (अन्तरक)
2. मैसर्स खटाक फानेल्स और इंडिंग कम्पनी लि.
337 कलवा डेवो रोड, दूसरी मंजिल, बम्बई।
(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पाग लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. यू.जी.-2 बी, हनुमान रोड, कनाट प्लेस, नई दिल्ली लीज होल्ड 352 वर्ग फीट।

तारीख : 14-5-87

मंजूर

अशोक मन्चन्दा,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण)

अजमेत रोड-5, नई दिल्ली 110002

*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. IAC. (Acq) Range V/37-EE/8-86/57A.—Whereas I, Ashok K. Manchanda, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) herein after referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000/- and bearing No. U.G. 2-B 1, Hanuman Road, Connaught Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule—annexed hereto) *registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi *has been registered with the Competent Authority u/s 269 A B of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in August, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object or :

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act. to the following person, namely :

- M/s. Gyd Builders Private Limited 13/24 B & C, Bharat Nagar, New Friends Colony New Delhi.

(Transferor)

- M/s. Khatoo Finance and Trading Co. Ltd., 337 Kaiba Devi Road (2nd floor) Bombay-40002 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Explanation—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. UG-2-B in Building situated at 1, Hanuman Road, Connaught Place, New Delhi-110002, Leasehold 852 sq. ft

Date : 14-5-1987

Seal

*Strike off where not applicable.

ASHOK K MANCHANDA,
COMPETENT AUTHORITY
(INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF
INCOME TAX) ACQUISITION RANGE—V
NEW DELHI-110002

निर्देश सं. आई. एं. सी. / एक्यू. / 3/एसआर-2/8-86/30:-
प्रति: मुझे, सुभाष कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास कराने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी संख्या तथा जो 1/5 जेयर प्लॉट नं. 10, रोड नं. 75, बसई तारापुर, पंचाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), *रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन *सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269B के अधीन तारीख सितम्बर, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित-बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान

प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्री/श्रीमती/कुमारी के. सतीश चंद्र सुपुत्र स्वर्गीय श्री ग्यानचंद नेवा में कार्यरत वर्तमान पता सी-247, डीडीए, फ्लैट, साकेत, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शारदा कपूर पत्नी, विनाद कपूर
16/14, पंजाबी बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में बर्तमान में जारी भी कार्रवाई

(क) इस सूचना के उपरान्त मैं अकाशन की तारीख से 30 दिन की अवधि या तत्समकालीन व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि के बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के उपरान्त मैं अकाशन की तारीख से 30 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में निहित किसी प्रकार व्यक्ति द्वारा, अन्तरिनी के अन्तर्गत लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में ब्यापार परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/5 जेवर प्लाट नं. 10, रोड नं. 75, स्थित पंजाबी बाग, क्षेत्र गांव बमई दारापुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली ।
क्षेत्र 217.778 वर्ग मज कुल तादादी 1088.89 वर्ग गज
तारीख : 14-5-87

*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range-III/SR-II/8-86/30.—
Whereas I, Subhash Kumar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) herein after referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100000/- and bearing No. 1/5th share in plot No. 10, Rd. No. 75, Vill. situated at Basai Darapur, Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule-annexed hereto) has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in August, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Capt. Satish Chandra s/o. late Sh. Gian Chand employed Merchant Navy, at present C/o. C-247, DDA Flats, Saket, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Sharda Kapoor w/o. Sh. Vinod Kapoor r/o. 16/14, Punjabi Bagh, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Explanation—The terms and expressions used hereinafter as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

1[5th share in plot No. 10, Road No. 75, situated in the colony known as Punjabi Bagh, area of village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi Area 217.778 sq. yds. out of total mg. 1088-89 sq. yds

Date : 14-5-1987

Seal

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं. आई.ए.सी./एक्यू./3/9-86/एस आर-2/55 :
अतः मुझे, सुभाष कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन तथ्य अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी संख्या तथा जो 1/5 शेयर प्लॉट नं. 10, रोड नं. 75, गांव बसई दारापुर, पंजाबी बाग, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), *रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मजूम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन तारीख सितम्बर, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य

में उक्त अन्तरण लिखित रूप में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तविक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वचने में सुविधा के लिए, और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री अरुण देव सुपुल श्री प. ग्यानचंद
निवासी जवालपुर कालेज, जवालपुर (यूपी) (अन्तरक)
2. श्रीमती कृष्ण कपूर पत्नी श्री प्राणनाथ कपूर
14/14, पंजाबी बाग, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/5 शेयर प्लॉट नं. 10, रोड नं. 74, तादादी 217.778 वर्ग गज कुल तादादी 1988.89 वर्ग गज, पंजाबीबाग, गांव बसई दारापुर, दिल्ली।

तारीख : 14-5-87

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. IAC. (Acq) Range-III/9-86/SR-II/55.—

Whereas I, Subhash Kumar being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) herein after referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000 and bearing No. 1/5th share in plot No. 10, Rd. No. 75, situated at Vill. Basai Darapur, Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and *registered under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer ; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) Sh. Arjun Dev s/o. Sh Pt. Gian Chand r/o. Jawalapur Collage, Jawalapur, U.P.
(Transferor)
- (2) Smt. Krishna Kapoor w/o. Sh. Pran Nath Kapoor r/o. 14/14, Punjabi Bagh, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any aforesaid period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

1/5th share in plot No. 10, Road No. 75, mg. 217.778 sq. yds out of total mg. 1988.89 sq. yds. Punjabi Bagh, Vill. Bassai Darapur, Delhi.

Date : 14-5-1987.

Seal

*Strike off where not applicable.

निर्देश नं आर्.प.सी./प.क्यू./3/एस आर-2/9-86/56 :—अतः मुझे, सुभाष कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी संख्या 1/5 शेयर प्लॉट नं. 10, में तथा जो रोड नं. 75, गांव बसई दारापुर, पंजाबीबाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मितम्बर 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की जावन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उसमें से बचने में सुविधा के लिए, और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डा. जीतेन्द्र कुमार शर्मा सुपुत्र स्वर्गीय पं. ग्यानचन्द डिपार्टमेंट साईन और वाटर इंजीनियरिंग, पंजाब क्रिषि यूनिवर्सिटी, लुधियाना।

वर्तमान पता :

सी-247, डी डी ए फ्लेट्स, साकेत, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. दीपक कुमार सुपुत्र श्री प्राणनाथ कपूर
निवासी-14/14 ईस्ट पंजाबी बाग, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समझा जाता है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अविभाज्य 1/5 शेयर प्लॉट नं. 10 में, रैंड नं. 75, कुल तादादी 1088.89 वर्ग गज स्थित पंजाबी बाग, क्षेत्र बसई वारापुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली। 1/5 शेयर 217.778 वर्ग गज।

(सुभाष कुमार)

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 14-5-87

मोहर

*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

307 GI/87 2

Ref. No. .AC. (Acq)|Range-II|SR-II|9-86|56.—
whereas I, Subhash Kumar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000 and bearing No. 1/5th share in plot No. 10, Rd. No. 75 situated at Vill. Basti Darapur, Punabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising on the transfer ; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dr. Jitendera Kumar Sharma S/o. Late Pt. Gian Chand of Deptt. of Soil and Water Engg., Punjab Agricultural University, Ludhiana, at present C-247 DDA Flats, Saket, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Sh. Deepak Kapoor S/o. Sh. Pran Nath Kapur r/o. 14/14, East Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Undivided 1/5th share in plot No. 10, road No. 75, total measuring 1088.89 sq. yards situated at Punjabi Bagh, area of Vill. Bas-sai Darapur, Delhi State, Delhi. 1/5th share 217.778 sq. yds.

Date : 14-5-1987.

Seal

*Strike off where not applicable.

(SUBHASH KUMAR)
COMPETENT AUTHORITY
(INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF
INCOME-TAX) AQUISITION RANGE—III
NEW DELHI-110002